

Respected beloved Razaji

Oh Sorry Sir, Please apologise me forgive me
I had your letter in last 22nd December --- but I
couldn't reply you soon. I always wished to write you
I kept your letter with me - I love to read it
often and often आप बिलकुल वरम वरम दुंदुभीसा रंग
मथिलते बाकि ओर जलकी लीलाश जैसे हैं

आप जिस तरह चलाते हैं हिंसा व उग्रता से, लगाते हैं
रोज के अवधार-व्युत्पत्ति आप बहुत व्यक्ति होते होंगे
ऐपानायक, हिंसा अब आतमी अब गई है कि ज्यादातर लोग जो
उसे अलकली-पेसा करके मर्द मोड़ लेते हैं, मगर आपका
नेजुल लक्ष्य बहुत व्यक्ति होता है

मैं पूरा जुड़ा हुआ हूँ सामाजिक गलतियों, राजकारण से
ओर पूरा भारत घूमता हूँ, पाछे ओक साल में कुले मालोकर
36000 K.M. मुसाफरी मैंने की है ~~के~~ बंगाल, आसाम,
मणिपुर, मेघालय, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ~~मै~~ मद्रास-नामकनाडु, गोवा
कर्णाटका, आंध्र, UP, राजस्थान, गुजरात में घूमा हूँ
बहुत घूमता हूँ, बहुत से लोगों को मिलाता हूँ, (हिया) पाते करवा हूँ -
लिखता हूँ, जानता हूँ, ओडो कुछ ओगलीसीस करता हूँ -
ओक Essay लिखता हूँ --- "Socio Political Impact on Common
people" --- मगर सच पूछो तो रात को जागे जाते आता हूँ

मैं दिन व दिन अनरिस्ट, फोरट्रेट होता जा रहा हूँ
गराब लोगों की बेवसी देखकर. They are struggling for their
existence कैसे न survive हो जाते हैं मगर लूंडे की तरह जाते हैं
बहुत ही Pethetic condition में हैं, मिश्रण, लीलाशाली हैं
कोई राजकीय, सामाजिक solution नहीं है, युनिया की कोई

आप बहुत Sensitive or Emotional हैं - मेरी गलती से
आपको कोई झटिका नहीं पहुँचे, आप ~~न~~ Disturb न होवे
उससे मैं चिंता नहीं

अगर आपको ~~किसी~~ ^{किसी} कोई खल्ले पहुँचे तो बताओ
मैं अप्रत्यक्ष सुधार लूँगा।

आपकी और जानाजी-मेकनीकी अवगति से साहकार से
मेरी काम सरल हो जायेगा। आप दोनों के लगाव, धार से तो
मैं फिर से हरा हरा हुआ हूँ

I have sharpen my tools and started my
living - my work आपको अचरज लगेगा यह
बालों से अगर पारीश आपकी धर जो चंद धंड़ों तक
आपके शायद रहा, आँसू का, पुनर्जीव हुआ - वस
तभी से --- आपकी ओडवाइस बिगु - ध्यान ---
बहुत कुछ हुआ आपके साथ

At present I am with my previous work -
commitment, social responsibilities - so I
wish to be free from all these as early as
possible --- और अब मैं मेरे लीडिंग, मेरी

creation के लीडिंग, पर्सनल लीडिंग के लीडिंग
जीने का फेंस लोफिया है। शायद मेरी जीव धेड़ के
कड़ों का चलने का ईश्वर है - जीव की पजहले
कुछ डोंश कार्य हो सके

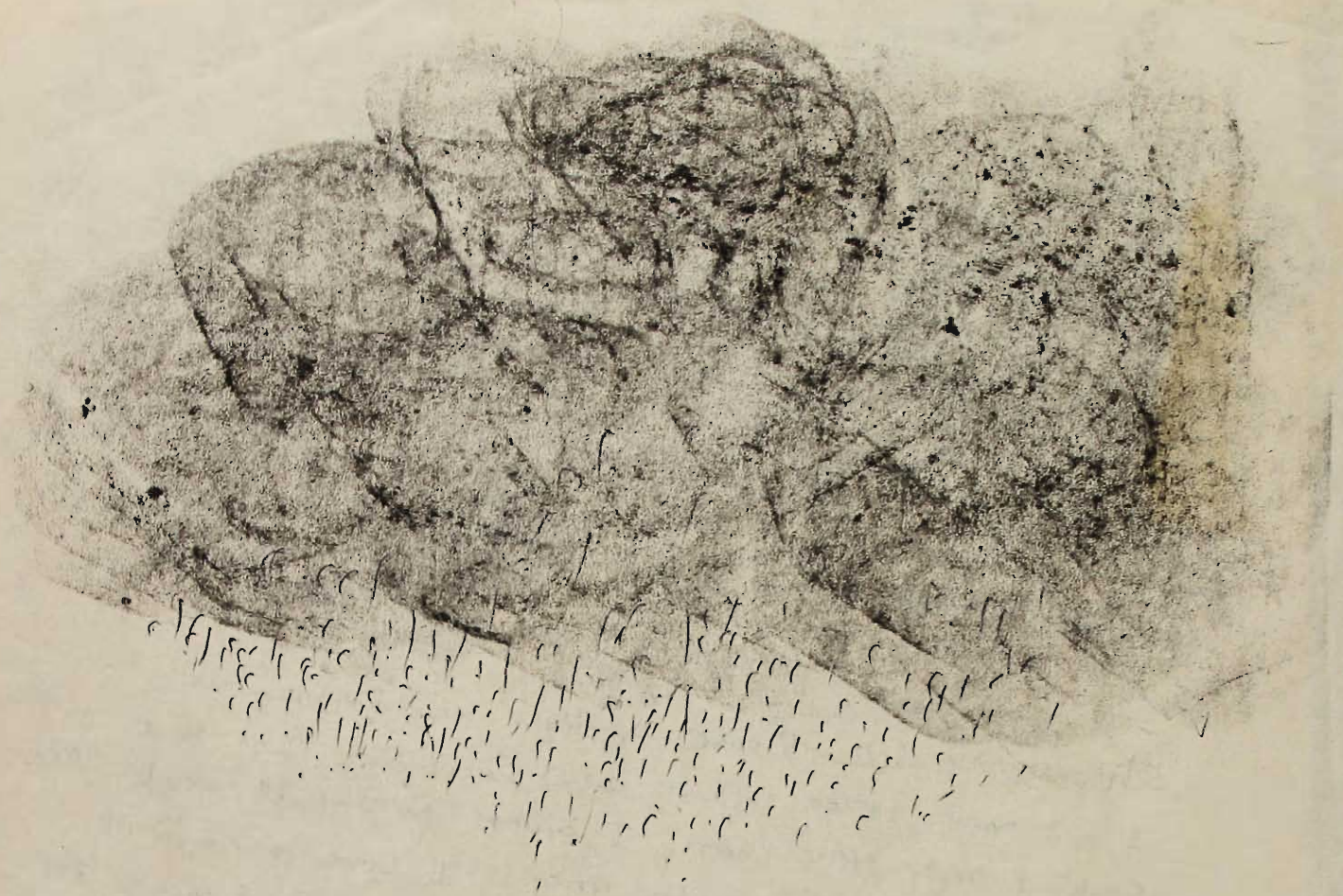
मेकनीक के mother के बारे में कुछ जानकारी नहीं मिली?
कैसे है आप?

आप अब ~~कहाँ~~ भारत आ रहे हैं? - भाषाकार - सौरभ
कल आने का ~~आ~~ ईश्वर है? - मैं बोले आपको
शेराव करने और जानकार - सौरभ के जाऊंगा।
I am awaiting your reply?

With Love



17-7-87



You Shower upon me
though I am wet
but wishes to merge with your memories
world is full of joy and love
if -- if no war
Peace is the water
water & Peace the world's need
Blood and Air is our ~~own~~ understanding

I have written one letter to Jean Perzic and
P.M. Chirik too - Perhaps I may come in near future
(1988) in FRANCE - I love to be there